जायेगा, तो वह अपने प्लान में से कुछ भी खर्च नहीं करेगे और फिर यह भी पैसा खर्च हो जायेगा। इसी वास्ते यह एडीशनल आऊटले का प्रावधान एक खास स्थिति मे किया गया है।

श्री **सत्यपाल मलिक** : मान्यवर, मेरी जानकारी के मुताबिक लगभग सभी प्रदेशो मे जो अंट्रोल्ड इरिगेशन है, जैसे ट्यूबवैल्ज वगैरह, उस पर आऊटले बहुत घट रहा है। मै मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि मध्य प्रदेश मे निजी क्षेत्र मे ट्यूबवैल्ज और सरकारी क्षेत्र के ट्यूबवैल्ज की क्या स्थिति है ?

श्री **पी० शिवशंकर** : सर, यह प्रश्न जो है वह एडीशनल आऊटले से संबधित है। आप इसमें ट्यूबवैल्स का प्रश्न पैदा नही होता है। इसके लिये वह दूसरा प्रश्न दें।

Pak President's Statement on Siachin

229. DR. BAPU KALDATE:
SHRI KRISHNA KUMAR BIRLA:

Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the statement made by the Pakistan President as reported in the 'Hindustan Times' dated the 14th January, 1988 to the effect that Siachen was a part of Pakistan and that the Pakistani troops were engaged in a Holy war which was contrary to his earlier statement in September, 1986 to the effect that it was a no man's land; and

(b) if so, what is the reaction of Government with regard thereto?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEFENCE (SHRI SANTOSH MOHAN DEV) : (a) Government have seen the press report in question.

*The question was actually asked on the floor of the House by Dr. Bapu Kaldate.

(b) While our troops are prepared to meet any threat to this area which is an integral part of India, Government are in favour of a peaceful resolution of all bilateral issues.

डा० **बापू कालदाते** : सभापति महोदय, माननीय मंत्री जी कहते है कि यह हिन्दुस्तान का हिस्सा है, लेकिन बारबार आप देखते है कि जैसे कोई जिया बारबार अपना रवैया बदलते हैं और लगातार कई सालों से वहा पर लड़ाई चलती रही है।

तो मेरा पहला सवाल तो यह होगा कि इस इलाके में जो गये कई सालों से लड़ाई चलती आई है, इसमें कितने लोग मारे गये और विषम हवा के कारण घायल हो गये- इसमें आज तक कितने लोग मारे गये और कितने घायल हो गये ? उनकी संख्या क्या है, यही मेरा पहला सवाल होगा ?

रक्षा मंत्री श्री **के० सी० पन्त** : सभापति जी, लोग मारे भी गये और घायल भी हुए और वह सब लड़ाई के कारण नहीं, बल्कि वहां ऐसी परिस्थितिया है और इस तरह से वहां जितनी ठंडक है, उसमें फ्रास्टबाईट वगैरह भी हो जाती है, एवलांचेस है और उन सब की वजह से काफी लोग वहां हताहत हुए। मैं इनकी संख्या यहां बताना ठीक नहीं समझता हू लेकिन और माननीय सदस्य को दिलचस्पी हो, तो मैं उनको अलग से वह संख्या दे सकता हूं।

डा० **बापू कालदाते** : महोदय, मैं एक तरफ और आपका ध्यान खींचना चाहता हूं कि जिस रिपोर्ट का हमने जिक्र किया सवाल लिया में उसमें जिया ने यह कहा है कि that Siachen was a part of Pakistan and the Pakistani troops were engaged in a Jehad. जैहाद यानी धर्मयुद्ध करने की बात वह कर रहे हैं, आप एक तरफ कहते हैं कि लड़ाई भी जारी रहेगी और दूसरी तरफ पीसफुल नेगोसिएशन भी करते हैं हमको बताईये कि लड़ाई समाप्त होगी और यह पीसफुल नेगोसिएशन से कोई सैटलमेंट होगा, ऐसी आशा लगती है ? अगर लगती है तो इस दिशा में क्या कदम उठाने

जा रहे हैं। अगर नहीं लगती है तो क्या करने जा रहे हैं ?

श्री के० सी० पन्त : सभापति जी, राष्ट्रपति जिया ने पहले सन् 1985 में एक बयान में यह कहा कि Not a blade of grass grows there. उसी में आपने पढ़ा है प्रैस रिपोर्ट. उसी में लिखा है। 1986 में उन्होंने कहा कि यह नो-मैन्ज लैंड है, अब उन्होंने और वाक्य कहे हैं जिसकी अभी आपने चर्चा की, हमने यह कहा है कि हिन्दुस्तान का हिस्सा है। दो बार मीटिंग हो चुकी है डिफेंस सेक्रेटरी के स्तर पर, प्राइम मिनिस्टर और प्रेसीडेंट जिया की बात हुई थी जब प्रेसीडेंट जिया दिल्ली आये थे और सियाचिन की बात की भी चर्चा हुई थी। उसके बाद दो बार डिफेंस सेक्रेटरी मिल चुके है। हम लोगों ने कोशिश कि हैं इसका रास्ता निकालें। हमारी हमेशा कोशिश रहती है कि शान्तिमय ढंग से कोई रास्ता निकले और शिमला समझौते के अन्तर्गत वह रास्ता निकले लेकिन जैसा मैंने कहा कि अगर हमला होगा तो उसका जवाब हम देंगे और इसलिए कहा कि सितम्बर-अक्टूबर में हमले हुए और उसका जवाब देना है इसलिये यह कहने की आवश्यकता है कि कोई ऐसी चीज न हो जिससे बाद में फिर से वहां तनाव बढ़कर यह रूप धारण कर सके।

SHRI KRISHNA KUMAR BIRLA: Sir, everyone will agree with the well-known stand of the Government of India that all bilateral issues should be resolved peacefully. As the hon. Minister also said Pakistan is also bound by it in terms of the Simla Agreement. Yet Pakistan believes more in breaking the Agreement than abiding by it. But in my opinion, the answer given by the hon. Minister in reply to the question is laconic. In view of the fiery statement made by the Pakistan President that Pakistan is engaged in a holy war in Siachen, I would like to know what specific action is being taken or proposed to be taken by the Government of India.

SHRI K. C. PANT : Sir, strong words do not break bones and the fact of the matter is that we have taken note of the statement of Pakistan President. We have also made it clear that in case there is any attack, Pakistan will get a befitting reply.

श्री रामचन्द्र विकल : सभापति महोदय, मैं रक्षा मंत्री से जानना चाहता हूं जो जिला के बारे में उन्होंने चर्चा की, जिया साहब का ब्यान अभी काश्मीर के बारे में जो आया हैं वह सियाचिन से भी ज्यादा खतरनाक है इस पर क्या प्रतिक्रिया उनकी हुई ?

श्री सभापति : कवश्चन तो सियाचिन के बारे में हैं ?

श्री रामचन्द्र विकल : वह सियाचिन से भी खतरनाक है, जिया का बयान।

श्री के० सी० पन्त : क्या आपने एलाउ किया है ?

श्री सभापति : हां कह दीजिए, उसका तो वही जवाब है। वह जनाते हैं जवाब भी।

श्री के० सी० पन्त : जवाब वही है जो आपने दिया।

Import of Luxury items

*230. SHRI A. G. KULKARNI : Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether the attention of Government has been drawn to a news item in 'Sunday Mail' dated January 24—30, 1988 under the caption "Huge VCR" imports on the anvil; and

(b) if so, whether there is any proposal under Government's consideration to review the policy of indiscriminate imports of such consumer and luxury items which throttle the indigenous development?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF SCIENCE AND TECHNOLOGY AND THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF OCEAN DEVELOPMENT, ATOMIC